पन्डीगढ सबेरा

26-6-14

फुलवहरी रोग लाइलाज नहीं, झाड़-फूंक से रहें दूर

फुलवहरी के रोग के बारे में प्रचलित भ्रमों को डाक्टरों ने किया दूर

प्रो. योगेश चावला जागरूकता रैली को रवाना करते हुए, साथ हैं इटली से आए विशेषज्ञ व (दाएं) पी.जी.आई. में फुलवहरी रोग के बारे में विशेषज्ञ जानकारी देते हुए। (बावा)

चंडीगढ़,25 जून (राकेश) : विश्व फुलवारी रोग दिवस के अवसर पर पी.जी.आई. में सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश-विदेश के त्वचा रोग विशेषज्ञों ने हिस्सा लेकर इसमें शामिल हुए लोगों को फुलवहरी रोग के बारे में उनके भ्रमों को दूर किया। वहीं संस्थान परिसर से संस्थान के निदेशक प्रो.योगेश चावला ने रिक्शा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहली बार संस्थान के चिकित्सकों ने रिक्शा चालकों को इसमें शामिल किया और उनके माध्यम से लोगों को संदेश दिया कि फुलवहरी रोग होने पर इसका उपचार संभव है। इसे झाड़फूंक से दूर नहीं किया जा सकता है।

वहीं दूसरी ओर संस्थान परिसर में आयोजित सम्मेलन में इटली से आई त्वचा रोग विशेषज्ञ प्रो.टोरेलो लोटी ने सम्मेलन में मौजूद चिकित्सकों एवं आम लोगों को बताया कि इस रोग का समय पर डायग्नोज होने से उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में इस रोग से 1 से 4 प्रतिशत लोग ही पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि इस रोग को फोटोथैरेपी के साथ कुछ दवाओं से भी ठीक किया जाता है। उन्होंने बताया कि उक्त रोग युवा महिलाओं और बच्चों में गंभीर होता है। ऐसे में महिलाओं और बच्चों को बचाने के लिए विशेष सावधानी बरती होगी। वहीं पी.जी.आई. के त्वचा रोग विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डा. दविंद्र प्रसाद ने बताया कि इस रोग को खत्म करने के लिए शोध कार्य चल रहा है जिससे उपचार करने की नई विधि शीघ्र ही सामने आएगी। उन्होंने बताया कि इस रोग के होने पर मरीज को घबराने की बजाय हिम्मत से काम लेना चाहिए ताकि वह तनाव में न जाए। इस रोग के होने पर आमतौर पर लोग तनाव का शिकार हो जाते हैं।

वी.आर. फाऊंडेशन के सी.ई.ओ. डा. येन वैले ने सभी फुलवारी के मरीजों से आग्रह किया कि वह इस रोग से पीड़ित मरीजों की मदद के लिए यू.एन.ओ. में हैल्थकेयर की याचिका दायर करने वाले हैं ताकि मरीजों को थोड़ी राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि पी.जी.आई. में विश्व स्तर के बेहतर चिकित्सा सैंटरों में से एक है और यहां शोध कार्य के साथ मरीजों बेहतर सर्जिकल सेवाएं दी जाती हैं, चाहे वह फुलवारी रोग के निवारण के लिए हों। संस्थान में विभाग की ओर से हर शुक्रवार को इस रोग से पीड़ित मरीजों के लिए स्पैशल क्लीनिक लगता है।

H.T. CHANDIGARH

PGI MARKS VITILIGO DAY WITH VARIOUS EVENTS

HT Correspondent
chandigarh@hindustantimes.com

A vitiligo patient getting a checkup at PGI. HT PHOTO

CHANDIGARH: On the occasion of World Vitiligo Day, Dr YK Chawla, director of the Post Graduate Institute of Medical Education and Reserach (PGIMER), flagged off the rickshaw rally with poster show on vitiligo messages.

Dr Torello Lotti from Italy gave a lecture on the importance of timely treatment of vitiligo. An information booklet on vitiligo was released and a short play on myths of vitiligo was also staged which was greatly appreciated by the audience. A public awareness lecture and a talk on the role of vitiligo support group were also organised.

Dr Davinder Parsad, additional professor, dermatology department, PGIMER highlighted the importance of the new era of vitiligo research and treatment. Many treatment options are available for treatment of this disease. Dr Yan Valle, CEO of VR Foundation requested the vitiligo patients to sign petition to secretary-general of United Nations to pursue multilateral efforts in vitiligo healthcare, education and awareness.

The department at PGIMER runs a special clinic for vitiligo on every Friday which offers innovative medical and surgical treatment of vitiligo. Experts suggest that vitiligo (leucoderma) affects 1 to 4% world population.

This disease has huge psycho-social stigma attached to it and there are many misconceptions about it as well.